भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 20 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: ii) 20 तारीख को सौराष्ट्र और कच्छ और दक्षिण गुजरात क्षेत्र में और 21 अगस्त, 2025 को सौराष्ट्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक से असाधारण रूप से भारी वर्षा (≥30 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

ii) आज से कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में वर्षा की गतिविधि कम होने की संभावना है, उत्तरी कोंकण (मुंबई सहित) में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और 20 तारीख को उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में कुछ स्थानों पर बहुत भारी से बेहद भारी वर्षा (≥21 सेमी) और अगले 3 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

iii) 22 अगस्त से उत्तर-पश्चिम और आसपास के पूर्वी भारत में वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होगी।

पिछले 24 घंटों में 20 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- कोंकण (तटीय महाराष्ट्र) में अलग-अलग स्थानों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा (≥40 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा (≥55 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा और सौराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा ((≥55 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- गुजरात क्षेत्र, उत्तरी हरियाणा, उत्तराखंड और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, विदर्भ, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में चल रही है। कल, 21 अगस्त, 2025 से इसके धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है।
- कल उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तटों पर बना अवदाब पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और कमजोर होकर एक स्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल गया और आज, 19 अगस्त को 1730 बजे IST पर छत्तीसगढ़ और आसपास के मध्य भागों पर स्थित था। यह आज सुबह 0530 बजे IST पर छत्तीसगढ़ और उससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश के मध्य भागों पर एक निम्न दबाव के क्षेत्र में और कमजोर हो गया और आज, 20 अगस्त को 0830 बजे IST पर कम स्पष्ट हो गया। हालाँकि, संबंधित चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-

पूर्व मध्य प्रदेश पर स्थित है और समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।

- ❖ एक पश्चिमी विक्षोभ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर जम्मू संभाग के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व असम के ऊपर स्थित है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे गुजरात के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर भारतीय क्षेत्र के ऊपर लगभग अक्षांश 21°N पर एक अपरूपण क्षेत्र स्थित है।
- ❖ औसत समुद्र तल पर एक अपतटीय द्रोणिका गुजरात-महाराष्ट्र तटों के साथ-साथ चल रही है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पश्चिम भारत:

- सौराष्ट्र और कच्छ तथा दक्षिण गुजरात क्षेत्र में 20 अगस्त को और सौराष्ट्र में 21 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक से असाधारण रूप से भारी बारिश (≥30 सेमी) होने की बहुत संभावना है।
- कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में आज से बारिश की गतिविधि कम होने की संभावना है, जिसमें उत्तर कोंकण (मुंबई सहित) में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर मध्य महाराष्ट्र में 20 अगस्त को बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश (≥21 सेमी) होने की संभावना है, इसके बाद अगले 3 दिनों तक क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।
- क्षेत्र में 23 अगस्त तक तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी प्रति घंटा) चलने की बहुत संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की बहुत संभावना है।
- 25 अगस्त से कोंकण और मध्य महाराष्ट्र तथा इससे सटे गुजरात में बारिश की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; विदर्भ में 20, 25 और 26 अगस्त को; ओडिशा, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल में 21-25 अगस्त के दौरान, दक्षिण मध्य प्रदेश में 20 अगस्त को; झारखंड में 22 अगस्त को; बिहार में 22 और 23 अगस्त को और छत्तीसगढ़ में 25 और 26 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू-कश्मीर में 22-26 अगस्त के दौरान; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान में अगले 7 दिनों तक; पंजाब, हरियाणा में 20 और 22-26 अगस्त के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22-25 अगस्त के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23-26 अगस्त के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 23 और 24 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में 23-25 अगस्त के दौरान; पंजाब, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में 23 अगस्त को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में अगले 7 दिनों तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश में अगले 7 दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम में 21-24 अगस्त और असम और मेघालय में 20-23 अगस्त के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 3 दिनों तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 20 और 26 अगस्त को; तेलंगाना में 20, 25 और 26 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश में 26 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और तटीय कर्नाटक में 20 अगस्त को तेज सतही हवाएँ (40-50 किमी/घंटा की गति) की संभावना है।
- तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अगले 5 दिनों तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 20 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

  अरब सागर: 20 से 25 अगस्त के दौरान मध्य अरब सागर और उससे सटे दक्षिण अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 20 से 25 अगस्त के दौरान उत्तर-पूर्वी अरब सागर के कई हिस्सों में; 21 से 25 अगस्त के दौरान उत्तर-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 20 से 25 अगस्त के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा के तटों पर और उसके आसपास; 20 अगस्त को उत्तरी कर्नाटक तट पर; 20 से 24 अगस्त के दौरान सोमालिया, यमन, ओमान के तटों पर और उसके आसपास न जाएँ।

  बंगाल की खाड़ी: 20 से 25 अगस्त के दौरान उत्तर के कुछ हिस्सों और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों पर; 20 अगस्त को उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर और उसके आसपास और 21 से 23 अगस्त को उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर; 20, 23 और 24 अगस्त को उत्तरी ओडिशा तट के साथ-साथ; 20, 23 और 24 अगस्त को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों के साथ-साथ; 20 से 22 अगस्त के दौरान कोमोरिन क्षेत्र से सटे मन्नार की खाड़ी के ऊपर न जाएँ।

ii. 20 से 23 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **मध्य महाराष्ट्र:** तमिनी (पुणे) - 57; लोनावाला एआरजी (जिला पुणे) - 43; महाबलेश्वर (जिला सतारा) - 30; राधानगरी (जिला कोल्हापुर), गगनबावडा (जिला कोल्हापुर) - 17 प्रत्येक; इगतपुरी (जिला नासिक) - 16; वडगांव मावल (जिला पुणे) - 15; शाहूवाडी (जिला कोल्हापुर) - 12; ओझरखेड़ा - एफएमओ (जिला नासिक), वेल्हे (जिला पुणे) - 10 प्रत्येक; तालेगांव एडब्ल्यूएस (जिला पुणे), चिंचवड - एआरजी (जिला पुणे), त्र्यंबकेश्वर (जिला नासिक), हर्सुल - एफएमओ (जिला नासिक), गारगोटी/भुदरगड (जिला कोल्हापुर) - 9 प्रत्येक; पौड मुलशी (जिला पुणे), अंबेगांव घोडेगांव (जिला पुणे), जुन्नर (जिला पुणे) - 8 प्रत्येक; भोर (जिला पुणे) - 7;

- **कोंकण और गोवा:** माथेरान (जिला रायगड) - 44; पनवेल एआरजी (जिला रायगड), करजत एआरजी (जिला रायगड), भिवंडी (जिला ठाणे) - 23 प्रत्येक; ठाणे (जिला ठाणे), विक्रमगड (जिला पालघर), ताला (जिला रायगड), सावरदे-एआरजी (जिला रत्नागिरी) - 22 प्रत्येक; सांताक्रूज (जिला मुंबई उपनगर), पेन (जिला रायगड), वसई (जिला पालघर) - 21 प्रत्येक; वाडा (जिला पालघर) - 20; टीबीआईए आईएमडी पार्ट टाइम (जिला ठाणे), जव्हार (जिला पालघर), खालापुर (जिला रायगड), पालघर एआरजी (जिला पालघर) - 19 प्रत्येक; सुदागड पाली (जिला रायगड), म्हसला (जिला रायगड) - 18 प्रत्येक; तलासरी (जिला पालघर), अंबरनाथ (जिला ठाणे), पोलादपुर (जिला रायगड) - 17 प्रत्येक; मोखेड़ा - एफएमओ (जिला पालघर) - 16; रोहा (जिला रायगड), संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी), दहानु (जिला पालघर) - 15 प्रत्येक; माणगांव (जिला रायगड), मंडनगड (जिला रत्नागिरी), चिपलून (जिला रत्नागिरी), कल्याण (जिला ठाणे), वैभववाडी (जिला सिंधुदुर्ग) - 14 प्रत्येक; शहापुर (जिला ठाणे), मुर्बाड (जिला ठाणे), खेड (जिला रत्नागिरी), उरण (जिला रायगड), दापोली एआरजी (जिला रत्नागिरी) - 13 प्रत्येक; गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी), उल्हासनगर (जिला ठाणे) - 12 प्रत्येक; मुरुद (जिला रायगड), कोलाबा (जिला मुंबई शहर), कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग), मुलदे एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), महाड (जिला रायगड), वकवाली एआरजी (जिला रत्नागिरी), कणकवली (जिला सिंधुदुर्ग) - 11 प्रत्येक; रत्नागिरी (जिला रत्नागिरी), राजापुर (जिला रत्नागिरी) - 10 प्रत्येक; सावंतवाडी (जिला सिंधुदुर्ग), आवलेगांव - एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) - 9 प्रत्येक; श्रीवर्धन (जिला रायगड), पोंडा (जिला उत्तर गोवा), देवगड (जिला सिंधुदुर्ग) - 8 प्रत्येक; हरनई आईएमडी (जिला रत्नागिरी), मालवण (जिला सिंधुदुर्ग), पेरनेम (जिला उत्तर गोवा), दाबोलीम एन.ए.एस.- नेवी (जिला दक्षिण गोवा), लांजा (जिला रत्नागिरी) - 7 प्रत्येक;
- **सौराष्ट्र और कच्छ:** कल्याणपुर (जिला देवभूमि द्वारका) - 26; द्वारका (जिला देवभूमि द्वारका) - 20; पोरबंदर (जिला पोरबंदर) - 17; सुतरपाडा (जिला गिर सोमनाथ) - 13; दीव (जिला दीव), जाफराबाद (जिला अमरेली) - 11 प्रत्येक; राजुला (जिला अमरेली), तलाला (जिला गिर सोमनाथ), उना (जिला गिर सोमनाथ) - 10 प्रत्येक; महुवा(बी) (जिला भावनगर), कोडिनार (जिला गिर सोमनाथ) - 9 प्रत्येक; गिर गढ़दा (जिला गिर सोमनाथ) - 8; मेंदरडा (जिला जूनागढ़), वंथली (जिला जूनागढ़), वेरावल (जिला गिर सोमनाथ) - 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** खानवेल (जिला दादरा और नगर हवेली) - 17; मधबुन (जिला दादरा और नगर हवेली) - 10; दमन (जिला दमन), उमरगाम (जिला वलसाड) - 8 प्रत्येक; वापी (जिला वलसाड), सिलवासा (जिला दादरा और नगर हवेली), दमन एफएमओ (जिला दमन) - 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक:** कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) - 16; जगलबेट (जिला उत्तर कन्नड़) - 8; येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़) - 7;
- **उत्तराखंड:** उत्तर काशी (सीडब्ल्यूसी) (जिला उत्तरकाशी), उत्तर काशी (जिला उत्तरकाशी) - 13 प्रत्येक; लोहारखेत (जिला बागेश्वर) - 9; रानीखेत (जी) (जिला अल्मोड़ा), धारचुला (जिला पिथौरागढ़) - 8 प्रत्येक;
- **हरियाणा:** मोरनी (जिला पंचकुला) - 12;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश:** कन्नोड (जिला देवास) - 11; इंदौर (जिला इंदौर), भिमपुर (जिला बैतूल) - 8 प्रत्येक; रायसेन-एडब्ल्यूएस (जिला रायसेन), शाजापुर (जिला शाजापुर) - 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान:** सज्जनगढ़ एसआर (जिला बांसवाड़ा), लोहारिया (जिला बांसवाड़ा) - 10 प्रत्येक; गढ़ी (जिला बांसवाड़ा) - 7;
- **विदर्भ:** भामरागढ़ (जिला गढ़चिरौली), गोंदिया एपी (जिला गोंदिया) - 8 प्रत्येक;
- **पूर्व मध्य प्रदेश:** परसवाड़ा (जिला बालाघाट), केवलारी (जिला सिवनी), बैहर (जिला बालाघाट), किरनापुर (जिला बालाघाट) - 8 प्रत्येक;
- **छत्तीसगढ़:** भानुप्रतापपुर (जिला कांकेर), दुर्गकोंदल (जिला कांकेर) - 8 प्रत्येक; गोबरा नवापारा (जिला रायपुर) - 7;
- **तेलंगाना:** पलवंचा (जिला बी. कोठागुडेम), कोठागुडेम (जिला बी. कोठागुडेम), येल्लांदु (जिला बी. कोठागुडेम) - 7 प्रत्येक;
- **उत्तर आंतरिक कर्नाटक:** लोंडा (जिला बेलगावी) - 7;
- **हिमाचल प्रदेश:** भरवैन (जिला ऊना) - 7;
- **असम:** धुबरी सीडब्ल्यूसी (जिला धुबरी) - 7

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	20- Aug	21- Aug	22- Aug	23- Aug	24- Aug	25- Aug	26- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
9	BIHAR	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS
14	PUNJAB	SCT	ISOL	FWS	WS	WS	WS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	ISOL	SCT	WS	WS	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

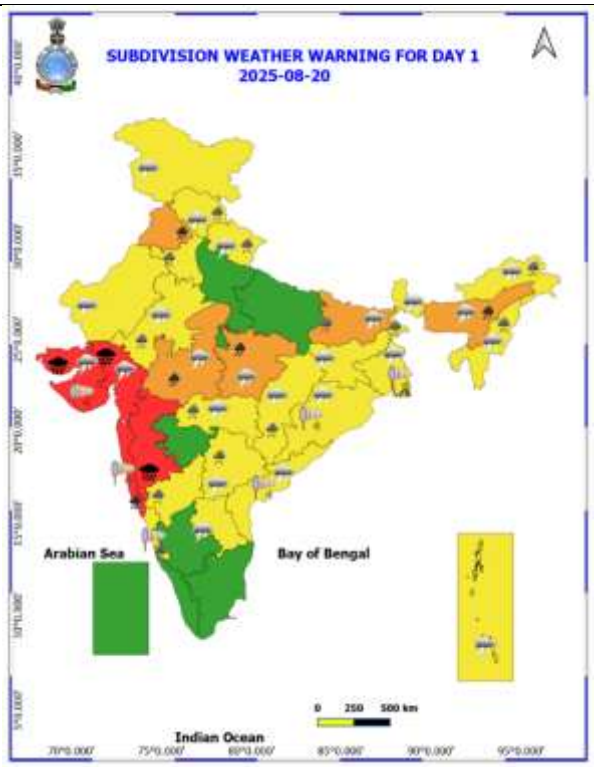
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

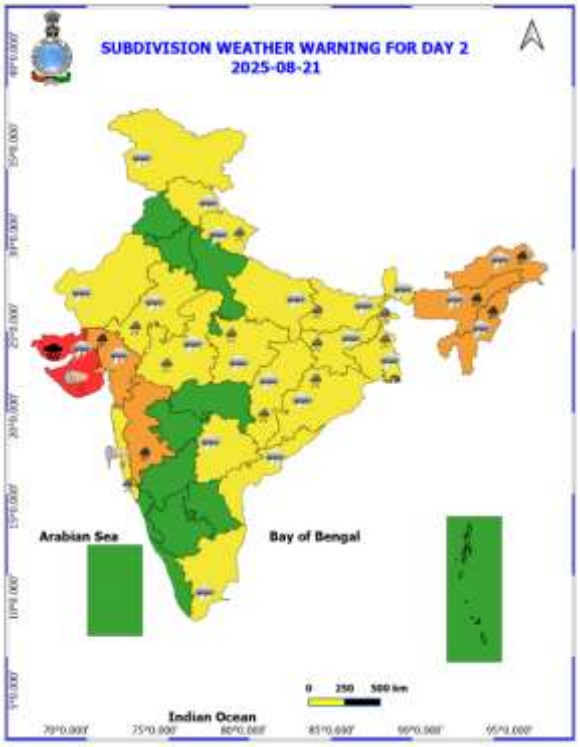
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

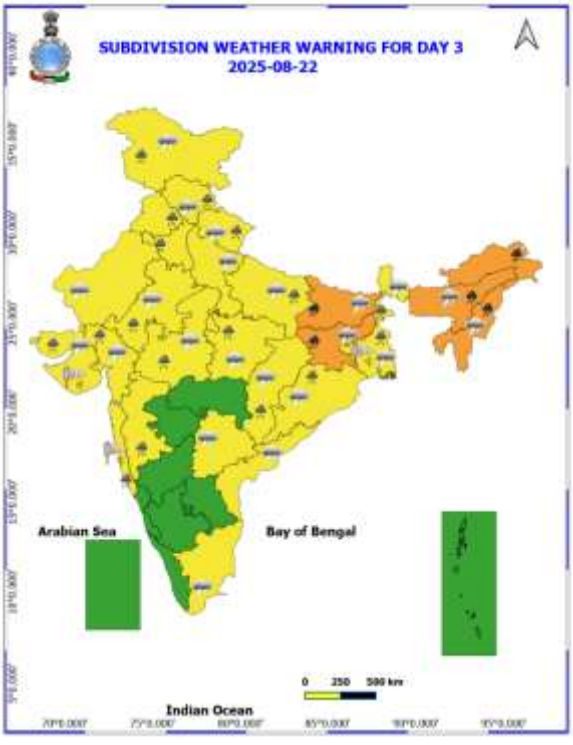
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

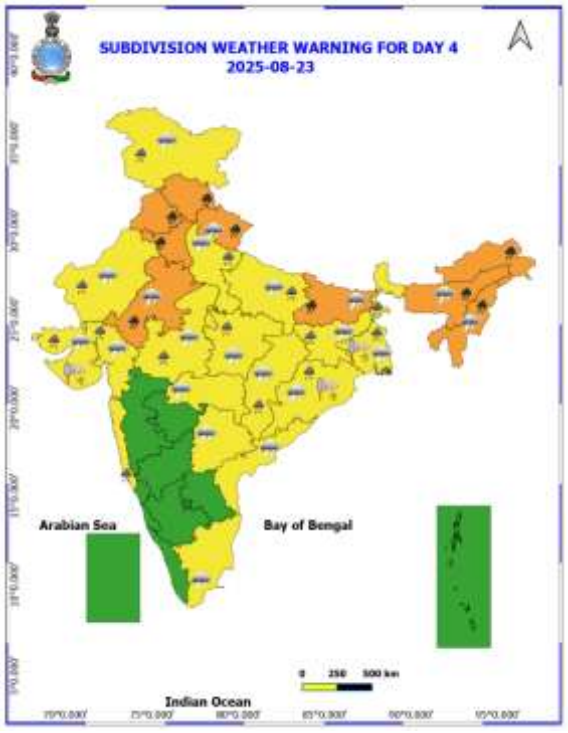

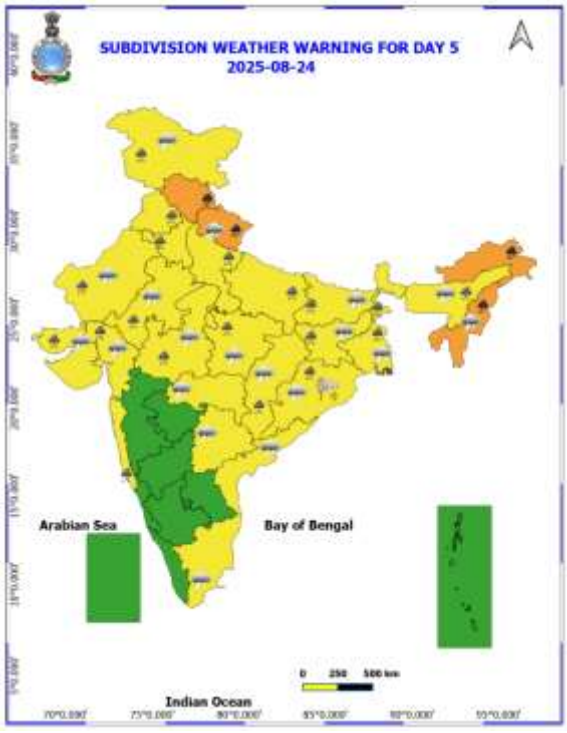

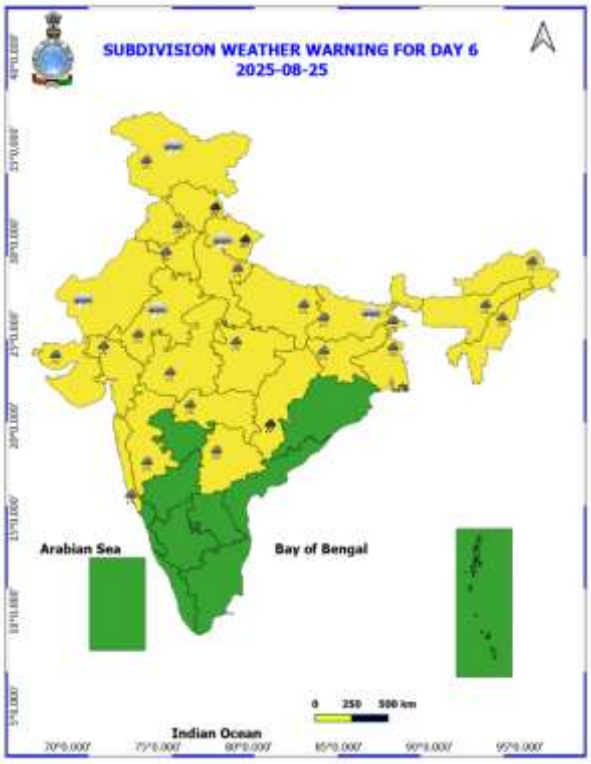

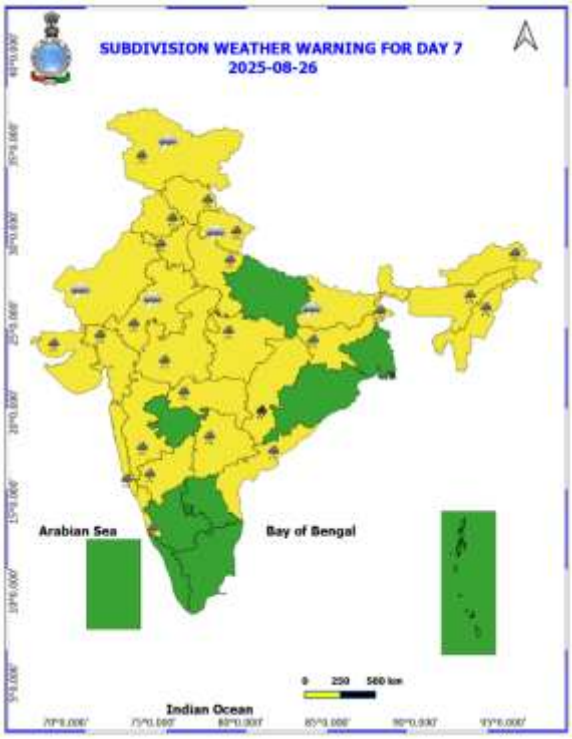

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 20 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं हुआ। न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जो इस क्षेत्र के लिए सामान्य के करीब है। उत्तर-पूर्वी हवाएँ प्रबल रहीं, जिनकी गति 28 किमी प्रति घंटा थी, जो 46 किमी प्रति घंटा तक पहुँची। एनसीएमआरडब्ल्यूएफ नोएडा स्टेशन ने दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में 54 मिमी की सर्वाधिक वर्षा दर्ज की। आज सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्वी हवाएँ 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ प्रबल रहीं।

मौसम पूर्वानुमान:

20.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात में अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। मुख्य रूप से सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से दोपहर, शाम और रात के दौरान 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ रहेंगी।

21.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। मुख्य रूप से सतही हवाएँ सुबह में पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ और दोपहर, शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति के साथ रहेंगी।

22.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। मुख्य रूप से सतही हवाएँ सुबह, दोपहर और शाम व रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति के साथ रहेंगी।

23.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। मुख्य रूप से सतही हवाएँ सुबह और दोपहर के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ रहेंगी। यह धीरे-धीरे शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति तक कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 20 अगस्त को सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात क्षेत्र में और 21 अगस्त को सौराष्ट्र में अत्यधिक से असाधारण रूप से भारी वर्षा (≥30 सेमी) होने की संभावना है।
- 20 अगस्त को उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 20 तारीख को कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा, दक्षिण मध्य प्रदेश में; 21 तारीख को मध्य महाराष्ट्र में; 20-22 तारीख के दौरान गुजरात राज्य में; 22 तारीख को झारखंड में; 22 और 23 तारीख को बिहार में; 25 और 26 तारीख को छत्तीसगढ़ में; 23-25 तारीख के दौरान उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में; 23 तारीख को पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान में; 21-24 तारीख के दौरान अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम में और 20-23 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों तथा कोंकण में धान के खेतों में 2.5 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखते हुए खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। जलभराव से बचाव हेतु, कोंकण में रागी, हल्दी, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में मक्का, मूंगफली, सोयाबीन एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; पश्चिम विदर्भ में सोयाबीन और कपास के खेतों से तथा पूर्व विदर्भ में धान, सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक प्रावधान करें।
- गुजरात में, भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचने के लिए बागवानी, सब्जियों और नए फलों के पौधों को सहारा प्रदान करें। दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; दक्षिण गुजरात क्षेत्र में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास और तिल के खेतों से तथा भाल और तटीय क्षेत्र में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें।
- मध्य प्रदेश में, सतपुड़ा पठार क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; मालवा पठार क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; निमाड़ घाटी क्षेत्र

में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों के खेतों में तथा विंध्य पठार क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, उड़द, कपास और अरहर के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

- छत्तीसगढ़ में, बस्तर पठार क्षेत्र में खरीफ मक्का, धान, लघु अनाज, दालों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- कर्नाटक में, तटीय क्षेत्र में धान और अदरक के खेतों, तथा सुपारी, नारियल और केले के बागानों में ; पहाड़ी क्षेत्र में धान, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में तथा दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र में धान एवं मक्का के खेतों तथा सुपारी और नारियल के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- तेलंगाना में, उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों से तथा दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और नर्सरियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटरों की कटाई कर उन्हे सुरक्षित स्थान पर रखें तथा मक्का, राजमा, सब्जियों और बागों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, पहाड़ी क्षेत्र में, सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों से; और उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में बाजरा, रागी और पहले से बोई गई मूंग की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। नैनीताल जिले में चावल, मक्का, सोयाबीन, मूंग और सब्जियों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें।
- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में, मिर्च के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल को हटा दें। उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र में, गन्ना, मक्का, सोयाबीन और मूंग की फसलों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- बिहार के दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र में अरहर, हल्दी, शकरकंद, सूरजमुखी और मक्का जैसी खड़ी फसलों के साथ-साथ सब्जियों की नर्सरी से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- असम में बागवानी और सब्जी वर्गीय पौधों को सहारा प्रदान करें। पहाड़ी क्षेत्र में सभी परिपक्व सब्जियों (टमाटर, खीरा, बैंगन आदि) की जल्द से जल्द कटाई करें।
- मेघालय में अदरक, सब्जी वाली फसलों और बगीचों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें। धान के खेतों में रोपाई के बाद 2-3 सेंटीमीटर मोटी स्थिर जल की परत बनाए रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और 5-7 सेमी जल स्तर बनाए रखें। बाजरा, केले और सब्जियों के खेतों में जल निकासी चैनल बनाए रखें। कटाव और अंकुरों के बह जाने से रोकने के लिए बाजरा के खेतों में मेड़ों को मजबूत करें.

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

21-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से उच्च आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। गुजरात क्षेत्र - दादर और नगर हवेली, दमन, भरूच, नवसारी, सूरत और वलसाड जिले। सौराष्ट्र और कच्छ - अमरेली, भावनगर, बोटाद, देवभूमि द्वारका, दीव, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, पोरबंदर, राजकोट, सुरेंद्रनगर और मोरबी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	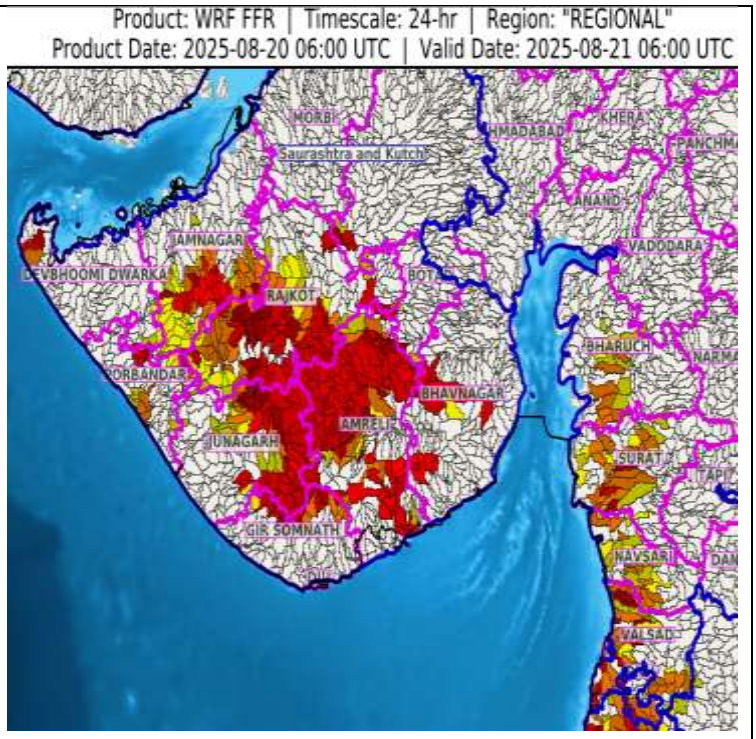
21-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। कोंकण और गोवा - उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा, मुंबई शहर, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, उपनगरीय मुंबई और ठाणे जिले। मध्य महाराष्ट्र - कोल्हापुर, नासिक, पुणे, सांगली और सतारा जिले।	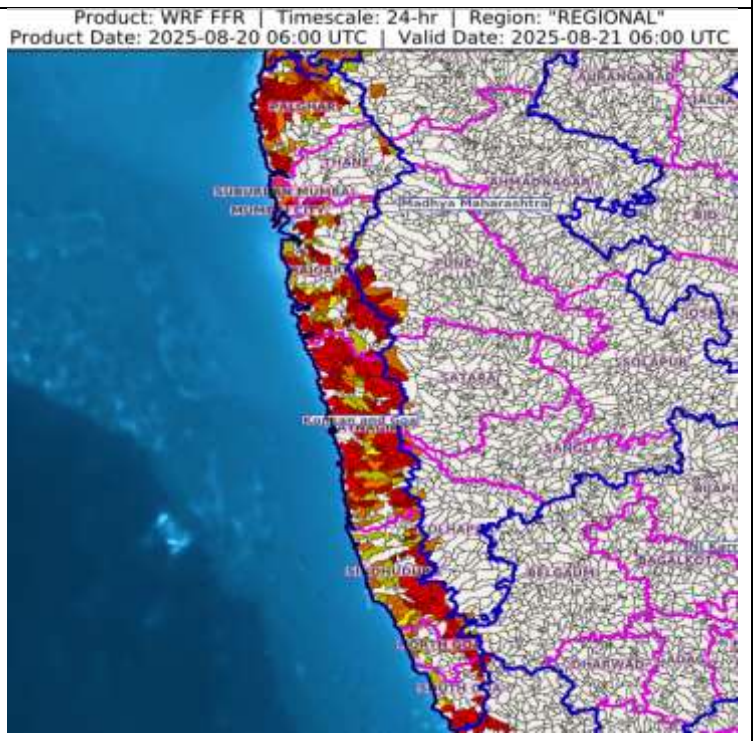

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	
21-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	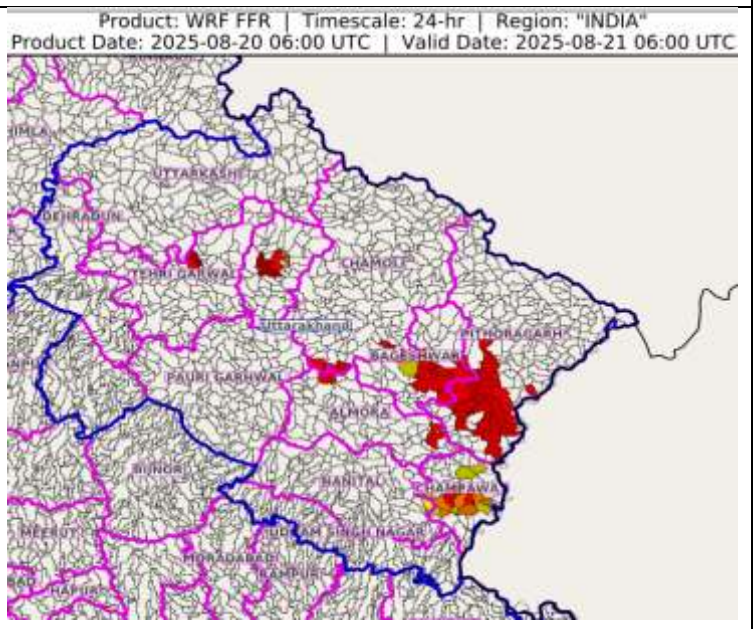

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

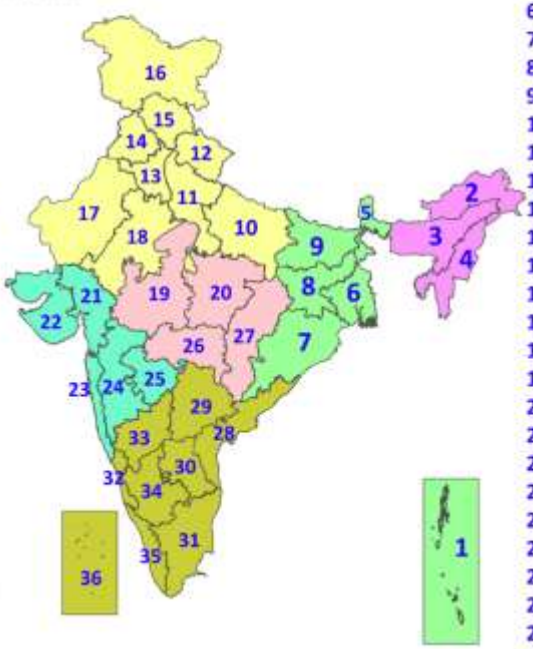

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)